दैनिक भास्कर | सोलन.सिरमौर | शिमला · सोमवार, 1 मार्च 2010

विरोध | पेपर मिल मालिकों के खिलाफ उत्तरी राज्यों के गत्ता उत्पादकों की बैठक

हड़ताल पर जाएंगे गत्ता उत्पादक

भास्कर न्यूज | बद्दी

उत्तरी राज्यों के गत्ता उत्पादकों ने पेपर मिल मालिकों के खिलाफ हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया है। गत्ता उत्पादकों ने यह निर्णय बद्दी में हुई बैठक में लिया। हिमाचल और पंजाब के गत्ता उत्पादकों ने 8 मार्च से छह दिन की हड़ताल करेंगे। गत्ता उत्पादकों में पेपर मूल्य की वृद्धि पर रोष है। बैठक में हिमाचल के अलावा पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, यूपी, उत्तराखंड और चंडीगढ़ के 300 से ज्यादा गत्ता उत्पादकों ने भाग लिया। संयुक्त संघर्ष समिति के चेयरमैन हरीश मदान, पंजाब इकाई के प्रधान आर पी सिंह, हिमाचल चैप्टर के प्रधान देवेंद सहगल, उपाध्यक्ष मुकेश जैन व सुरेंद्र जैन ने कहा कि छह दिन की सांकेतिक हड़ताल के दौरान पेपर मिलों से किसी भी प्रकार का लेन देन नहीं किया जाएगा, वहीं हड़ताल के दौरान किसी भी अन्य कारखाने को माल सप्लाई नहीं किया जाएगा तथा न ही अन्य प्रदेशों से पेपर अंदर आने दिया जाएगा। बैठक में अजय चौधरी, मुकेश कुमार, सुशील सिंगला, बलदेव गोयल, भारत भूषण, अभिषेक लोहाटी, बालकिशन सिंगला, मुनीष गर्ग, विकास, मोहित, वी के गोयल, राजन ठाकुर, बलजीत, अजय किशोर व पंकज मित्तल ने भी विचार रखे।

उत्तर भारत के गत्ता उत्पादकों ने पेपर मिल मालिकों के खिलाफ बद्दी में बैठक की। बैठक में हिमाचल व पंजाब के गत्ता उत्पादकों ने 8 मार्च से छह दिन की हड़ताल पर जाने का निर्णय लिया।

सेब की पेटियों पर पड़ेगा 36 करोड़ का अतिरिक्त भार

नालागढ़. पेपर मिल मालिकों द्वारा कागज रेट में की गई 20 फीसदी बढ़ोतरी की गाज जहां गत्ता उत्पादकों को झेलनी पड़ रही है, वहीं इस वृद्धि से प्रदेश के बागवानों को करीब 36 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ेगा। जानकारी के अनुसार पेपर मिल मालिकों द्वारा 20 फीसदी गत्ता उत्पादक संघ के प्रदेशाध्यक्ष देवेंद्र सहगल, उपाध्यक्ष मुकेश जैन, बीबीएन इकाई के महासचिव सुरेंद्र जैन ने आरोप लगाते हुए कहा कि पेपर मिल मालिक रेट में की गई बीस फीसदी वृद्धि के चलते अब सेब की पेटी की कीमत करीब 45 रुपए के होगी, जबकि इससे पहले गत्ता उत्पादक बागवानों के लिए 30-32 रुपए में सेब की पेटी बनाते थे। हिमाचल के गत्ता उत्पादक सेब सीजन के लिए तीन करोड़ सेब की पेटियां बनाते हैं। पेपर मिल मालिकों द्वारा रेट वृद्धि करने के बाद सेब की पेटी में 12 रुपए की वृद्धि के हिसाब से प्रदेश के बागवानों को 36 करोड़ रुपए का नुकसान झेलना पड़ना पड़ेगा। पेपर मिल मालिकों द्वारा रेट में वृद्धि करने से प्रदेश के बागवानों पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, जिससे प्रदेश की आर्थिकी को भी नुकसान होगा। गत्ता उत्पादक संघ के इन पदाधिकारियों का आरोप है कि पेपर मिलें सप्ताह बाद अपनी मिलें बंद कर देते हैं और मनमर्जी से अपने रेट बढ़ाते हैं। जिससे गत्ता उत्पादकों को भारी परेशानियों व पेपर मिल मालिकों की तानाशाही रवैये का शिकार होना पड़ रहा है। उन्होंने प्रदेश सरकार से इस मामले में दखल देने की मांग उठाते हुए कहा कि इस मसले को गंभीरता से उठाया जाए, ताकि प्रदेश के बागवानों को भी नुकसान न झेलना पड़े, वहीं प्रदेश की आर्थिकी भी सुदृढ़ बनी रहे। गत्ता उत्पादकों ने अगस्त 2008 में भी सात दिनों की हड़ताल की थी और दीपावली पर्व के समय हुई इस हड़ताल से उद्योगपतियों को करोड़ों रुपए का नुकसान झेलना पड़ा था। इस हड़ताल में पंजाब, हिमाचल व चंडीगढ़ यूटी के कई जिलों के गत्ता उत्पादक शामिल थे।